प्रश्नोतर से संबंधित परिशिष्ट

परिशिष्ट ' पैंतीस '

[27/2/2017]

प्रश्न सं. [क्र. 2693]

परिशिष्ट

अतारांकित प्रश्न क्रमांक : 2693 - विभाग द्वारा किए जाने वाले कार्य।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अंतर्गत कार्यरत संस्थाओं द्वारा विगत 5 वर्षों में छतरपुर जिले में किये गये कार्यो की जानकारी निम्नानुसार है:--

(1) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी निम्नानुसार है :-

वर्ष	आयोजित कार्यक्रम
2012	1. जियोसाइंस एवं जियाइन्फार्मेटिक्स समूह के अंतर्गत भू-आकृतिक एवं लीनियामेंट का मानचित्रण। 2. अंतराष्ट्रीय रसायन वर्ष पर जागरूकता कार्यक्रम। 3. राष्ट्रीय गणित वर्ष पर जागरूकता कार्यक्रम। 4. रेनवाटर हारवेस्टिंग तकनीक पर कौशल विकास कार्यक्रम। 5. ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं पर्यावरण पर संगोष्ठी । 6. उर्जा के नवीन एवं वर्तमान स्त्रोत पर परिचर्चा। 7. भू-जल संभावित क्षेत्रों का मानचित्रण।
2013	1. भू-जल संभावित क्षेत्रों का मानचित्रण। 2. नैनो बायोटेक्नोलॉजी इन डेव्लपमेंट आफ नैनो मेडिसिन इन एडवेन्ट पर्सपेक्टिव 3. नेशनल सेमीनार आन केमिकल्स, क्लाईमेट चेन्ज एण्ड ग्लोबल हेल्थ। 4. वर्कशाप आन कोर्स एण्ड इफेक्ट ऑफ क्लाईमेट चेन्ज एण्ड ग्लोबल वार्मिंग । 5. जियोसाइंस एवं जियाइन्फार्मेटिक्स समूह के अंतर्गत भू आकृतिक एवं लीनियामेंट का मानचित्रण। 6. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत जेनेटिकली मॉडीफाइड क्राप्स एण्ड फूड सिक्योरिटी पर जागरूकता कार्यक्रम।
2014	1. 113 सूक्ष्म जलग्रहण क्षेत्रों हेतु जल संसाधन कार्य योजना। 2. नेशनल कान्फ्रेंस आन सस्टेनेबल डेवलपमेंट आफ नेचरल रिसोर्सेस एण्ड वाइल्ड कन्जरवेशन । 3. वर्कशाप ऑन कम्प्यूटर स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम 4. जियोसाइंस एवं जियाइन्फार्मेटिक्स समूह के अंतर्गत भू आकृतिक एवं लीनियामेंट का मानचित्रण। 5. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अंतर्गत फोस्टिंग साइंटिफिक टेम्पर पर जागरूकता कार्यक्रम। 6. क्रिस्टोलोग्राफी के सिद्धांत एवं उपयोग पर प्रशिक्षण एवं

	जागरूकता कार्यक्रम। 7. भू-जल संभावित क्षेत्रों का मानचित्रण।
2015	1. जीआईएस आधारित भू-जल गुणवत्ता मानचित्रण। 2. नेशनल क्रान्फ्रेंस इन्वायर डीग्रेडेशन एण्ड ग्लोबल हेल्थ। 3. प्रकाश वर्ष के सिद्धांत एवं उपयोग पर प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम। 4. भू-जल संभावित क्षेत्रों का मानचित्रण।
2016	1. जीआईएस आधारित भू-जल गुणवत्ता मानचित्रण। 2. भू-जल संभावित क्षेत्रों का मानचित्रण।
निरंतर	फसल परियोजना के अंतर्गत गेंहू फसल क्षेत्र आकलन का कार्य किया गया जो सतत रूप से जारी है।

(2) मैपआईटी द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी निम्नानुसार है:-

ई-शक्ति I- ई शक्ति अभियान के तहत छतरपुर जिले के 11250 छात्राओं/ महिलाओं को इंटरनेट के प्रति जागरूकता हेतु प्रशिक्षण प्रदाय किया गया।

ई-शक्ति II -ई शक्ति अभियान के तहत छतरपुर जिले में कार्य प्रारंभ किया जाना है। प्रति ब्लॉक में 1000 छात्राओं/ महिलाओं को इंटरनेट के प्रति जागरूकता हेतु प्रशिक्षण प्रदाय किया जायेगा।

व्ही0सी0आर0 - वर्तमान में जिले के 05 व्ही0सी0आर संचालन में तथा शेष व्ही0सी0आर पर कार्य किया जा रहा जो कि अतिशीघ्र संचालित किये जायेंगे।

GIGW - जिला ई गवर्नेंस प्रबंधक के नेतृत्व में 04 सदस्य टीम का गठन किया गया। वेबसाइट में प्रारंभिक जानकारी डाल दी गई है वेबसाइट को अतिशीघ्र गो-लाईव किया जायेगा।

ई-दक्ष केंद्र :- जिला ई गवर्नेंस समिति के अंतर्गत निर्मित ई दक्ष केंद्र द्वारा जून 2014 से जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों/कर्मचारियों को आईटी एवं ई गवर्नेंस से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं तथा बेसिक कम्प्यूटर इंटरनेट, यूनिकोड साइबर सिक्यूरिटी डिजिटल सिग्नेचर का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है, जिसमें प्रमुख परियोजनाएं इस प्रकार है :-

सी0एम0हेल्पलाइन, ई पंजीयन, आरसीएमएस, ई ऑक्शन, आईसीटी @ स्कूल, कैशलेस, आईसीडीएस-एमआईएस, भारत नेट, एमपीऑनलाइन एवं लोक सेवा इंटीग्रेशन तथा समय समय पर जिले की आवश्यकता अनुसार निर्वाचन तथा अन्य कम्प्यूटर संबंधित प्रशिक्षण । अभी तक 280 प्रशिक्षण कार्यक्रमों में 7000 प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है ।

डिजिटल इंडिया आउटरिच कैम्पेन प्रोग्राम : - जिले के ग्रामीण क्षेत्रों (20 पंचायत के 40 ग्रामों में) में दिनांक 01 अगस्त 2016 से दिनांक 20 अगस्त 2016 तक प्रदर्शनी वैन द्वारा भ्रमण किया गया, जिसके माध्यम से आम नागरिकों को डिजिटल इंडिया एवं ऑनलाइन शासकीय सेवाओ के बारे में जागरूक एवं डिजिटल इंडिया पर नुक्कड नाटक भी किया गया । प्रदर्शनी वैन द्वारा छतरपुर जिले में 20 दिवस में भ्रमण तथा एक दिवस में दो ग्रामों में भ्रमण किया गया ।

आरसीएमएस : Revenue Case Management System के तहत सम्पूर्ण राजस्व न्यायालयों को ऑनलाइन किया जा रहा है, जिसके तहत जिले की ई गवर्नेंस समिति के द्वारा जिले के समस्त ग्रामों के अंतर्गत मैपिंग का कार्य किये जाने के उपरांत समस्त न्यायालयों के पुराने प्रकरणों की फीडिंग कराई गई तथा राजस्व सत्र 2016 -17 (01 अक्टूबर 2016) जिले के समस्त राजस्व कोर्ट ऑनलाइन किये जा चुके हैं तथा वर्तमान में प्रक्रियाधीन है ।

एम0 गवर्नेंस : कार्यालयीन कार्य हेतु जिले के अधिकारियों को महत्वपूर्ण जानकारी एस0एम0एस के द्वारा The National Mobile Governance Initiate Portal के द्वारा 3,49,969 एस0एम0एस किये जा चुके हैं।

(3) मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रानिक्स विकास निगम द्वारा किये गये कार्यों की जानकारी निम्नानुसार है:--

(1) स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (SWAN) :-- स्टेट वाइड एरिया नेटवर्क (SWAN) की स्थापना संबंधी कार्य

(2) आधार पंजीयन :-- प्रदेश की कुल जनसंख्या का 85 प्रतिशत आधार पंजीयन किया जा चुका है, जिसमें छतरपुर जिले में 93 प्रतिशत जनसंख्या का आधार पंजीयन कार्य पूर्ण किया जा चुका है ।

(3) वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम :-- छतरपुर कलेक्टर कार्यालय में 31 सीटर्स अतिरिक्त वीडियो कांफ्रेंसिंग रूम (V.C.ROOMS.) की स्थापना की गयी है ।

(4) आर.सी.बी.सी.:-- 30 सीटर्स ई-दक्ष केन्दों की स्थापना की गयी है ।